ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-02-2026

कासगंज(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-28	2026-03-01	2026-03-02	2026-03-03	2026-03-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	32.0	32.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	16.0	16.0	17.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	66	58	53	55
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	39	37	36	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	7	11	12	16
पवन दिशा (डिग्री)	280	311	296	287	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों तक आसमान साफ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32.0-35.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 5-6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है, और न्यूनतम तापमान 15.0-18.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर क्रमशः 28-50% और 10-16% के बीच रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 7.0-16.0 किमी प्रति घंटा के बीच रहेगी, जिसमें सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटा अधिक की रफ्तार से हवा के झोंके आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिचाई, परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा जायद में बोई जाने वाली फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं, सब्जिओं की फसल की हल्की सिंचाई सायं काल के समय करे और जायद मक्का, उर्द एवं सब्जियों की बुवाई व आलू की फसल की खुदाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं, सब्जिओं की फसल की हल्की सिंचाई सायं काल के समय करे और जायद मक्का, उर्द एवं सब्जियों की बुवाई व आलू की फसल की खुदाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूं की फसल में चौथी सिंचाई 80-85 दिन बाद (बाली निकलने के पूर्व) करें। गेहूँ में इस समय हल्की सिचाई ही करे, तेज हवा चलने की स्थिति में सिचाई न करे अन्यथा फसल गिरने की संभावना रहती है। गेहू की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	सरसो की फसल में ७५% फलिया सुनहरे रंग की दिखाई देने पर फसलों की कटाई करे। सरसो की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई के कार्य के लिए मौसम अनुकूल है।
फील्ड पी	मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	चने की फसल में दाना भरने की अवस्था में फली छेदक कीट का अत्याधिक प्रकोप होता है। फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियां- प्रकाश, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य यथा शीघ्र पूरा करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टयर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
काला चना	जायद उर्द की संस्तुति जातियां- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2,सुजाता , पी यू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बीज की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू के फसल की खुदाई कर कोल्ड स्टोर में रखने के लिए मौसम अनुकूल है।
प्याज	प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप 28 - 30 डिग्री सेल्सियस तापक्रम तथा 80 - 90 % सापेक्षिक आर्द्रता की स्थिति पर यह रोग अधिक प्रभावित होता है अतः इसके रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.3 % (3 ग्राम /लीटर पानी) अथवा मैंकोजेब 0. 25 % (0. 25 ग्राम /लीटर पानी) की

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	दर से घोलबनाकर 15 -20 दिन के अन्तराल पर 3-4 छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जिओं जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें। टमाटर , बैगन एवं मिर्च की तैयार पौध की रोपाई करे।
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई सी 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओ को पेट में कीड़ो की रोकथाम के लिए कृमि नाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में न बांधें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ो की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की खड़ी फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिचाई, परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा जायद में बोई जाने वाली फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details